भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3018
09 अगस्त, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

बिहार में पीएम-एबीएचआईएम योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य देखरेख केंद्र

3018. श्री राजेश वर्मा:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के अंतर्गत बिहार राज्य में कुल कितने नए स्वास्थ्य देखरेख केन्द्र और अस्पताल स्थापित किए गए हैं और उनकी वर्तमान परिचालन स्थिति क्या है;
(ख) बिहार राज्य में पीएम-एबीएचआईएम के अंतर्गत प्राथमिकता प्राप्त विशिष्ट स्वास्थ्य देखरेख सेवाओं और विशिष्टताओं के संबंध में जानकारी क्या है;
(ग) क्या सरकार का पीएम-एबीएचआईएम के अंतर्गत स्वास्थ्य देखरेख अवसंरचना के विस्तार में निजी क्षेत्र को शामिल करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) देश में पीएम-एबीएचआईएम के कार्यान्वयन की राज्य-वार/संघ राज्यक्षेत्र-वार/जिला-वार वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (घ): **पीएम-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम)** का शुभारंभ दिनांक 25 अक्टूबर, 2021 को **64,180 करोड़ रुपए** के परिव्यय के साथ किया गया था। इस मिशन को शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य अवसंरचना, निगरानी और स्वास्थ्य अनुसंधान में महत्वपूर्ण कमियों को दूर करने हेतु जन स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वर्ष 2021-22 से वर्ष 2025 -26 तक पांच वर्षों में कार्यान्वित किया जाना है।

अभी तक वित्त वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को 7,808 उप-स्वास्थ्य केंद्रों- आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम), 1532 यू-एएएम, 890 बीपीएचयू, जिला स्तर पर 352

आईपीएचएल और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रस्ताव के अनुसार 278 सीसीबी के निर्माण/सुदृढ़ीकरण के लिए 14193.54 करोड़ रुपये की राशि के लिए प्रशासनिक अनुमोदन प्रदान किया गया है।

बिहार राज्य के लिए पीएम-एबीएचआईएम के तहत, स्कीम अवधि (वित्त वर्ष 2021-2026) के लिए 1413.04 करोड़ रुपये की लागत से कुल 2546 भवन रहित उप-स्वास्थ्य केंद्र-एएएम, 347.56 करोड़ रुपये की लागत से 333 ब्लॉक जन स्वास्थ्य इकाईयों (बीपीएचयू), 78.89 करोड़ रुपये की लागत से 38 एकीकृत जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं (आईपीएचएल) और 1550.11 करोड़ रुपये की लागत से 38 गहन परिचर्या इकाइयों (सीसीबी) का प्रावधान है।

अब तक बिहार राज्य से 2 वित्त वर्षों (अर्थात वित्त वर्ष 2021-22 और वित्त वर्ष 2022-23) के लिए प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और तदनुसार 1413.04 करोड़ रुपये की लागत से भवन रहित उप-स्वास्थ्य केंद्र-एएएम की 2546 इकाइयों की स्थापना (वित्त वर्ष 21-22 और वित्त वर्ष 22-23 में 706.52 करोड़ रुपये की लागत से भवन रहित उप-स्वास्थ्य केंद्र-एएएम की 1273 इकाईयां) और 47.77 करोड़ रुपये की लागत से 59 बीपीएचयू, 15.00 करोड़ रुपये की लागत से 12 आईपीएचएल (वित्त वर्ष 2021-22 में 5.00 करोड़ रुपये की लागत से 4 आईपीएचएल और वित्त वर्ष 2022-23 में 10.00 करोड़ रुपये की लागत से 8 आईपीएचएल) और 12 सीसीबी की स्थापना के लिए 401.30 करोड़ रु. (वित्त वर्ष 21-22 में 4 सीसीबी 127.60 करोड़ रुपये के लिए और वित्त वर्ष 22-23 में 8 सीसीबी 273.70 करोड़ रुपये के लिए) स्वीकृति दी गई है।

******